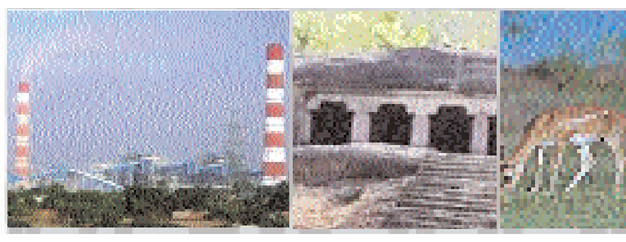

ऊर्जाधानी में कोल्ड का टॉर्चर, जनजीवन ठप

पांच दिनों से सूर्य देवता के दर्शन नहीं, पछुआ हवा ने बढ़ाई ठिठुरन

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 21 दिसम्बर । जिले में कड़ाके की ठंड ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। बीते कई दिनों से सूर्य देवता के दर्शन नहीं हो रहे, जिससे तापमान लगातार लुढ़क रहा है। पछुआ हवा और घना कोहरा ठंड के टॉर्चर को और बढ़ा रहे हैं। सुबह 10 बजे तक दृश्यता बेहद कम रहने से सड़कों पर आवागमन जोखिम भरा हो गया है। गरीब, मजदूर, मवेशी और स्कूली बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। अलाव और राहत व्यवस्था नाकाफी साबित हो रही है, जिससे प्रशासन की तैयारियों पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक हाड़ कंपा देने वाली ठंड पड़ रही है। तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है, जिससे आमजन के साथ-साथ गरीब, मजदूर, बुजुर्ग और मवेशी सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। खुले में रहने वाले लोगों के लिए यह ठंड किसी आफत से कम नहीं है। वहीं कड़ाके की ठंड स्कूली नौनिहाल

बच्चों के लिए भी बड़ी समस्या बन गई है। सुबह-सुबह ठंड और कोहरे में स्कूल जाने को मजबूर बच्चे ठिठुरते नजर आ रहे हैं। कई अभिभावक बच्चों को सर्दी, खांसी और बुखार की आशंका के चलते स्कूल भेजने से हिचक रहे हैं। अभिभावकों की मांग है कि ठंड को देखते हुए स्कूलों के समय में बदलाव किया जाए या कुछ दिनों के लिए अवकाश घोषित किया जाए, ताकि बच्चों की सेहत से कोई समझौता न हो। साथ ही भीषण ठंड के बावजूद प्रशासनिक तैयारियां नाकाफी नजर आ रही हैं। अलाव, कंबल वितरण और राहत व्यवस्था केवल कागजों तक सीमित दिखाई दे रही है। आमजन का सवाल है कि जब मौसम विभाग पहले ही ठंड और कोहरे की चेतावनी दे चुका था, तो समय रहते ठोस इंतजाम क्यों नहीं किए गए।

ऊर्जाधानी में ठंड का यह प्रकोप फिलहाल थमता नजर नहीं आ रहा। जब तक सूर्य देवता के दर्शन नहीं होते, तब तक राहत की उम्मीद भी कम ही है।

कोहरे का कहर, सुबह 10 बजे तक थमी रहती है रफ्तार

घने कोहरे के चलते सुबह करीब 10 बजे तक दृश्यता बेहद कम बनी रहती है। हालत यह है कि सड़कों पर वाहन रेंगते नजर आते हैं। हाईवे हो या ग्रामीण मार्ग, हर जगह हादसों का खतरा बना हुआ है। दोपहिया वाहन चालकों के साथ-साथ भारी वाहनों को भी आवाजाही में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कोहरे और ठंड के इस दोहरे प्रकोप ने दैनिक जीवन की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया है। लोग जरूरी कामों के लिए ही घरों से निकल रहे हैं। बाजारों में सुबह के समय सन्नाटा पसरा रहता है, जो दोपहर के बाद कहीं जाकर टूटता है।

गरीबों और मवेशियों पर सबसे ज्यादा मार

भीषण ठंड का सबसे ज्यादा असर गरीब, असहाय और खुले में जीवन यापन करने वालों पर पड़ रहा है। शहर के कई हिस्सों और ग्रामीण इलाकों में अलाव की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से लोगों में आक्रोश है। ठंड से बचाव के साधन न होने के कारण कई लोग रातें जागकर काटने को मजबूर हैं। मवेशियों की हालत भी चिंताजनक बनी हुई है। ठंड और कोहरे के कारण पशुधन बीमार पड़ने लगा है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों की चिंता बढ़ गई है। पशुओं के लिए भी न तो पर्याप्त आश्रय की व्यवस्था है और न ही ठंड से बचाव के उपाय।

रोड में सुरंग, हादसे को दावत

बड़ी घटना का इंतजार, बेपरवाह नगर निगम

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 21 दिसम्बर । नगर निगम सिंगरौली क्षेत्र की सड़कों की बदहाली अब आमजन की जान पर भारी पड़ने लगी है। शहर की कई प्रमुख सड़कें भीतर से खोखली हो चुकी हैं, जिससे आए दिन छोटे-बड़े हादसे हो रहे हैं। ताजा मामला माजन मोड़ स्थित पुलिस वेलफेयर पेट्रोल पंप के सामने का है, जहां कई दिनों से खाईनुमा गड्ढा बना हुआ है। यह गड्ढा किसी भी वक्त बड़ी दुर्घटना को दावत दे सकता है, लेकिन नगर निगम के जिम्मेदार अधिकारियों की नजर अब तक इस पर नहीं पड़ी है।

बताया जाता है कि सिवरेज एवं गैस पाईप के चलते यह खाईनुमा गड्ढा बना हुआ है। सड़क के बीचों-बीच बना यह गड्ढा रात के समय और भी खतरनाक हो जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अंधेरे में गड्ढा दिखाई नहीं देता,

जिससे वाहन चालकों को अचानक ब्रेक लगाना पड़ता है या वे असंतुलित होकर गिर जाते हैं। कई दोपहिया वाहन चालक चोटिल भी हो चुके हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग अब तक केवल खानापूर्ति करता नजर आ रहा है। सुरक्षा की दृष्टि से यातायात पुलिस ने मौके पर बेरिकेट जरूर लगा दिए हैं, ताकि वाहन चालकों को सतर्क किया जा सके, लेकिन यह अस्थायी व्यवस्था कब तक चलेगी, यह सवाल बना हुआ है। बेरिकेट हटते ही हादसे की आशंका फिर बढ़ जाती है। आरोप है कि ननि द्वारा सड़क निर्माण और मरम्मत में गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा जा रहा है। बावजूद इसके, निरीक्षण और समय पर सुधार की कोई ठोस व्यवस्था नजर नहीं आती। शिकायतों के बाद भी केवल आश्वासन दिए जाते हैं कार्रवाई नहीं होती। स्थानीय नागरिकों ने ननि आयुक्त एवं जनप्रतिनिधियों से मांग की है कि माजन मोड़ सहित पूरे शहर की सड़कों का तत्काल सर्वे कराया जाए और खतरनाक गड्ढों को तुरंत भरा जाए। साथ ही दोषी ठेकेदारों और अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए।

इनका कहना :-

माजन मोड़ पर गड्ढा है, इसकी जानकारी नही है। जानकारी मिली है तो ठेकेदार से तत्काल बात करते हैं और उस गड्ढे को तत्काल ठीक कराया जाएगा।

संतोष पाण्डेय
ईई नगर निगम सिंगरौली

एक नजर में

क्षतिग्रस्त सड़कों का शीघ्र मरम्मत कराने की मांग

सिंगरौली। माजन मोड़ से लेकर इंदिरा चौक-नवजीवन बिहार तक क्षतिग्रस्त सड़को का शीघ्र मरम्मत कराने जाने की मांग बैढ़न व नवजीवन बिहार के व्यापारियों एवं रहवासियों ने कलेक्टर एवं निगमायुक्त से की है। व्यापारियों एवं रहवासियों का कहना है कि क्षतिग्रस्त सड़को के चलते वाहन चालक जहां परेशान हैं, वहीं उक्त मुख्य मार्ग में डस्ट दुकानों एवं घरों में जमा हो रहे हैं। यह सड़क अगस्त महीने से ही क्षतिग्रस्त है। जहां कई जगह सड़क गड्ढों में तब्दील हो रही है। रहवासियों ने कहा है कि बैढ़न एवं नवजीवन बिहार मुख्य मार्ग की यह दुर्दशा है। नागरिको ने कलेक्टर एवं निगमायुक्त का ध्यान आकृष्ट कराया है।

प्रौढ़ बाबा ने किशोरी के साथ किया छेड़खानी

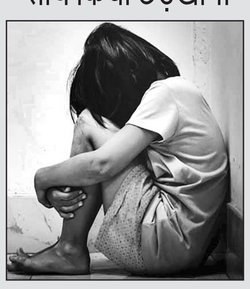

सिंगरौली। बरका चौकी क्षेत्र के एक 50 वर्षीय प्रौढ़ व्यक्ति ने रिश्ते को शर्मसार करते हुये एक किशोरी के साथ छेड़खानी किये जाने का मामला प्रकाश में आया है। प्रकरण में बाबा एवं नातिन का रिश्ता है। जानकारी के अनुसार लंबे समय से आरोपी की गदी नियत थी। घर में अकेली नातिन को पाकर कलयुगी गांव के बाबा ने नाबालिग से की छेड़खानी, पुलिस ने आरोपी रामसजीवन कुशवाहा उर्फ बल्ले के खिलाफ छेड़खानी सहित पास्को एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी की तलास में बरका पुलिस लगी हुई है।

दुकान में लगी भीषण आग, लाखों की सामग्री जलकर खाक

चितरंगी बाजार की घटना, व्यापारियों में भारी आक्रोश

नवभारत न्यूज

चितरंगी 21 दिसम्बर । स्थानीय बाजार के प्लास्टिक व किराना के दुकान में आज दिन रविवार की शाम करीब 5 बजे अचानक आग भड़क उठी। जहां देखते ही देखते दुकान की सामग्री पूरी तरह जल कर स्वाहा हो गई। इस दौरान स्थानीय लोग एवं दुकानदार आग बुझाने के लिए हर संभव प्रयास करते रहे, लेकिन भीषण आग के आगे किसी की भी एक नही चली।

दरअसल जानकारी के मुताबिक चितरंगी बाजार में स्थित लाले साहू निवासी बोदाखूटा के किराना एवं प्लास्टिक आईटम के दुकान में अचानक आग लग गई। जब धुआं उठने लगा, तब दुकानदार एवं आसपास के लोगों की नजरें दुकान के अदंर पड़ी। जहां आग विकराल रूप धारण कर ली। आग पर काबू पाने के लिए दुकानदार के साथ-साथ आसपास के लोग हर संभव प्रयास करते रहें, लेकिन सभी बेवश नजर आये। हालांकि करीब डेढ़ घंटे बाद गोरबी अंचल से फारय बिग्रेड आई थी, लेकिन तब तक सामग्री जल कर खाक हो चुकी थी। इस दौरान व्यापारियों का भी गुस्सा फूटा और फायर बिग्रेड चालक को भी खरीखोटी सुनाते हुये तूतू-मैंमैं किया। इधर घटना की जानकारी मिलते ही एसडीएम, तहसीलदार एवं स्थानीय पुलिस भी पहुंची और आग लगने के कारणों का पतासाजी करने लगे। इस दौरान बिजली के शॉर्टसर्किट होना पाया गया। वहीं पीड़ित दुकानदार के अनुसार करीब 5 लाख रूपये की सामग्री जलकर खाक हो गई है। यहां बताते चले कि चितरंगी में लम्बे अर्से से फायर बिग्रेड मशीन की मांग की जा रही है, खरीदी के लिए मंजूरी जरूर मिली है, परंतु अभी तक खरीदी नही की गई।

रेलवे स्टेशन बना कोल यार्ड, कोयले की धूल से यात्री और व्यापारी बेहाल

रेलवे की लापरवाही से आमजन की सेहत पर मंडरा रहा खतरा, प्रदूषण नियंत्रण क्षेत्रीय अमला बेपरवाह

नवभारत न्यूज

सरई 21 दिसम्बर । जिले के सरई रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा के लिए बना परिसर अब कोयला डंपिंग और परिवहन का केंद्र बनता जा रहा है।

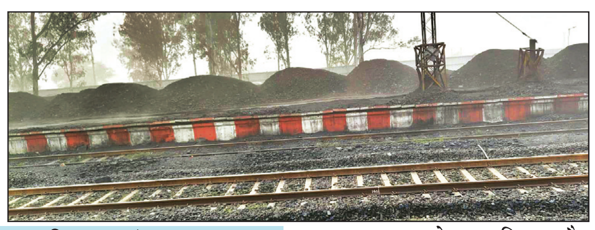

स्टेशन परिसर और आसपास के क्षेत्र में उड़ती कोयले की धूल डस्ट ने यात्रियों, दुकानदारों और स्थानीय निवासियों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। हालात यह हैं कि स्टेशन पर खड़े रहना भी दूभर हो गया है, जबकि रोजाना सैकड़ों यात्री यहां से आवाजाही करते हैं। रेलवे स्टेशन परिसर को व्यावहारिक रूप से कोल यार्ड में तब्दील कर दिया गया है। प्लेटफार्म, प्रवेश मार्ग और प्रतीक्षालय तक कोयले की परत जम जाती है। यात्रियों का कहना है कि आंखों में जलन, सांस लेने में दिक्कत और कपड़ों पर काली धूल जमना आम बात हो गई है, लेकिन रेलवे प्रशासन इस गंभीर समस्या से आंखें मूंदे बैठा है।

रेलवे और प्रशासन की चुप्पी पर उठे सवाल

स्थानीय लोगों में रेलवे प्रशासन के प्रति भारी नाराजगी व्याप्त है। लोगों का कहना है कि बार-बार शिकायत के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही है। सवाल यह है कि क्या यात्रियों की जान की कीमत पर कोयले का कारोबार चलेगा। अब जनता मांग कर रही है कि सरई रेलवे स्टेशन से कोल यार्ड तत्काल हटाया जाए, वैकल्पिक स्थान चिन्हित किया जाए और यात्रियों की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी जाए। यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो विरोध और आंदोलन तय माना जा रहा है।

दुकानदार और आमजन नाराज, स्वास्थ्य को लेकर बढ़ी चिंता

स्टेशन के आसपास स्थित दुकानदारों का कहना है कि कोयले की धूल से उनका व्यापार प्रभावित हो रहा है। खाद्य सामग्री रखने में कठिनाई हो रही है और ग्राहक आने से कतराने लगे हैं। वहीं स्थानीय रहवासियों, बुजुर्गों और बच्चों के स्वास्थ्य पर भी इसका प्रतिकूल असर पड़ रहा है। सांस, त्वचा और आंखों से जुड़ी बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि यात्रियों की सुविधा के लिए बनाए गए रेलवे स्टेशन को बिना किसी सुरक्षा मानक के कोयला संचालन का अड्डा बना दिया गया है। न तो नियमित पानी का छिड़काव किया जा रहा है और न ही कोयला ढोने वाली गाड़ियों को ढकने की व्यवस्था की गई है।

सुविधा की सौगात नहीं सुरक्षा का विकल्प है देवसर में बायपास मार्ग : ज्ञानेंद्र

नवभारत न्यूज

देवसर 21 दिसम्बर । जिले का अति व्यस्त कस्बा देवसर बीते एक दशक से दुर्घटना का केंद्र बना है किंतु इससे मुक्ति के लिए समाधान की दिशा में मात्र सड़क अतिक्रमण का नाम देकर दोष व्यापारियों के ऊपर थोप कर इति श्री कर दी जाती है।

चंददिन अतिक्रमण हटाने के नाम पर प्रशासन व्यस्त रह कर और जनप्रतिनिध बिना विलम्ब के चिट्ठी-चिट्ठी के खेल से श्रेय लेने में सक्रिय हो कर संतुष्ट हो जाते हैं, क्षेत्र का कितना दुर्भाग्य है कि देवसर में सुरक्षा के एक मात्र विकल्प वायपास मार्ग निर्माण की चर्चा तक

नहीं होती । देवसर बाजार क्षेत्र में एक के बाद एक सामान्य आदमी अकाल मौत के शिकार हो रहे हैं और उदासीन शासन, प्रशासन होनी के नाम पर इस असहनीय पीड़ा और गंभीर समस्या को भी नजर अंदाज कर देता हैं । देवसर में विगत दिनों एक गंभीर सड़क हादसे के बाद दो दिन से प्रशासनिक सक्रियता अतिक्रमण हटाने में दिखी है, स्वभाविक रूप से दुर्घटना में अतिक्रमण भी एक बड़ा कारण है, किंतु यह स्थाई समाधान नहीं है। जिला कांग्रेस कमेटी सिंगरौली ग्रामीण के पूर्व अध्यक्ष ज्ञानेंद्र द्विवेदी ने शासन और प्रशासन की निष्क्रियता पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है की लोगों को बहलाने के लिए यह प्रयास सुविधाजनक हो सकता है, किंतु दुर्घटना रोकनें के लिए सड़क को अतिक्रमण मुक्त रखना सड़क हादसों के बचाव की आवश्यक सावधानी है। पर स्थाई समाधान नहीं देवसर में बायपास मार्ग ही एकमात्र स्थाई विकल्प है ।

आधा दर्जन आरोपियों से 70 लीटर शराब जब्त

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 21 दिसम्बर । पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर माड़ा थाना पुलिस ने अवैध शराब कारोबार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए आधा दर्जन शराब कारोबारियों को दबोचा है। इनके कब्जे से करीब 70 लीटर अवैध हाथ भट्ठी महुआ शराब जप्त की गई है।

पुलिस को मुखबिरों के जरिये मिली सूचना के आधार पर ग्राम हटका निवासी अरविन्द सिंह, आनंद सिंह, नन्दलाल शाह तथा ग्राम ओखरावल निवासी रामसागर शाह, मानमती यादव, भगवानदास पाल को अवैध शराब के साथ पकड़ा गया। सभी आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34(क) के तहत अपराध दर्ज किया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ लोग हाथ भट्ठी शराब तैयार कर आसपास के क्षेत्रों में बेच रहे हैं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छापेमारी की, जहां अवैध शराब और निर्माण में प्रयुक्त सामग्री बरामद की गई। उक्त कार्रवाई में उपनिरीक्षक बालेन्द्र त्यागी, सउनि अवधेश पटेल, प्रआर संजय सिंह परिहार, उपेन्द्र सिंह बघेल, रामसुख यादव, गणेश रावत सहित चौकी बंधौरा का स्टाफ शामिल रहा।

जन सेवा एवं पारदर्शिता पर विशेष जोर दिया जाए : जगदीश

ग्राम पंचायतों में सुशासन सप्ताह का हुआ आयोजन, जिला पंचायत सीईओ नियुक्त हैं नोडल अधिकारी

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 21 दिसम्बर । म.प्र. शासन के निर्देशानुसार जिले में 19 दिसंबर से 24 दिसंबर के मध्य सुशासन सप्ताह प्रशासन गाँव की ओर अभियान का आयोजन किया जा रहा है।

इस अभियान का मुख्य उद्देश्य शासन की योजनाओं और सेवाओं की अंतिम छोर तक प्रभावी डिलीवरी सुनिश्चित करना, जन शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निराकरण करना, प्रशासनिक कार्यप्रणाली में

पारदर्शिता तथा उत्तरदायित्व और संवेदनशीलता को सुदृढ़ करना है। कलेक्टर गौरव बैनल ने प्रशासन गांव की ओर अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिये जिला पंचायत सीईओ जगदीश गोमे को नोडल अधिकारी तथा जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। अभियान के दौरान तहसील, जनपद पंचायत और ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में जनशिकायतों का मौके पर ही पंजीयन कर यथासंभव निराकरण किया जाएगा। जारी कार्यक्रम अनुसार 21 दिसम्बर को खटखरी, देवरी, रेही, मिसिरवां, बकिया, जोबगढ़, जोगयनी, शिवपुरवा, नौगई तथा अन्य ग्राम पंचायतों में विशेष शिविर आयोजित किए गए।

एबीपीएस रेनुसागर का वार्षिक खेलकूद समारोह आयोजित

नवभारत न्यूज

अनपरा 21 दिसम्बर । हिंडालको रेनुसागर के यूनिट हेड आरपी सिंह के मार्गदर्शन में रेनुसागर स्थित आदित्य बिड़ला पब्लिक स्कूल रेनुसागर का वार्षिक खेलकूद समारोह अत्यंत हर्ष और उल्लास के वातावरण में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि रेनुपावर कंपनी के फक्शनल हेड जगदीश पात्रा द्वारा मशाल प्रज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात सभी प्रतिभागियों को खेल भावना से खेलने की शपथ दिलाई गई। विद्यालय के प्रधानाचार्य एसके

सिंह ने विद्यार्थियों को अनुशासन, स्वास्थ्य और सफलता के लिए खेलों में सक्रिय भागीदारी का संदेश देते हुए अतिथियों एवं अभिभावकों का स्वागत किया। वहीं वरिष्ठ बालक समूह के 800 मीटर दौड़ में पीयूष मिश्रा प्रथम स्थान अर्जित किया। साथ ही वरिष्ठ बालक समूह के 100 मीटर दौड़ में शौर्य कुमार अव्वल रहे। कनिष्ठ बालक समूह के 400 मीटर दौड़ में सुनील कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कनिष्ठ बालक समूह के 100 मीटर दौड़ में कुणाल ने प्रथम स्थान अर्जित की।

प्रभारी मंत्री ने दिया पत्रकारों के सवालों का गोलमोल जवाब

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 21 दिसम्बर । जिले के प्रभारी मंत्री ने उप पंजीयक के मामले में पत्रकारों के सवालों का गोलमाल जवाब दिया है। जिसको लेकर बीते दिन कल से ही तरह-तरह की चर्चाएं की जा रही है।

कहा जा रहा है कि पत्रकारों का सवाल अच्छा था, परंतु प्रभारी मंत्री ने जानबूझकर टालमटोल वाला जवाब दिया या फिर किसी ने उन्हें तोते की तरह रटा दिया। हालांकि जिस दौरान पत्रकारों ने उप पंजीयक अशोक सिंह परिहार के करीब 8 वर्ष के अधिक समय से जिले में पदस्थ रहने कई गंभीर एवं अनियमितता के आरोप होने के बाद कार्रवाई न करने सवाल कई प्रबुद्धजनों ने जायज ठहराया है और कहा है कि इतने गंभीर आरोप जिस अधिकारी पर लगे हो और उसका तबादला न हो कहीं न कहीं सत्ताधारी जनप्रतिनिधियों का संरक्षण है। वहीं जिस वक्त पत्रकार ने सवाल दागा, वहीं बगल में मौजूद राज्यमंत्री राधा सिंह ने प्रभारी मंत्री के कान में दो बार कुछ गुफ्तगू की है। इसे तो मंत्री ही बताएंगी और यही से प्रभारी मंत्री आधा अधूरा जानकारी देकर गोलमाल जवाब दी। शायद दोनों मंत्रियों को पूरी जानकारी नही है। हालांकि राज्य मंत्री पर पीड़ित संजय जायसवाल निवासी खटाई ने पूर्व में ही सवाल खड़ा किया था।

कमर्शियल कारपोरेशन लिमिटेड के उत्कृष्ट उत्पादन और मजदूर हितैषी कार्यों की सराहना

कलिंगा ने स्थापित किए नए मानक, कर्मचारियों को सम्मान और सुरक्षा का पूरा रखा जाता है ध्यान, करीब 2500 श्रमिकों को मिला है रोजगार

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 21 दिसम्बर । जिले में कार्यरत कलिंगा कमर्शियल कारपोरेशन लिमिटेड अपने उत्कृष्ट उत्पादन, उच्च सुरक्षा मानकों और मजदूर हितैषी कार्यशैली के कारण एक बार फिर चर्चा में है।

हाल ही में एनसीएल अमलोरी के एरिया जीएम से हुई मुलाकात के दौरान उन्होंने कलिंगा के कार्यों की खुलकर सराहना करते हुए कहा कि कंपनी ने प्रारंभ से ही उत्पादन में बढ़त बनाए रखी है और साथ ही खदान के सभी सुरक्षा मानकों का पूरी गंभीरता से पालन किया है। एनसीएल में कलिंगा की भागीदारी को उन्होंने शानदार और अनुकरणीय बताया। एनसीएल अधिकारियों एवं कलिंगा अमलोरी परियोजना में कार्यरत कर्मियों ने बताया कि कलिंगा का अमलोरी कैंप आउटसोर्सिंग कंपनियों में अब तक का सबसे बेहतरीन कैंप है। यहां कर्मियों के लिए आधुनिक आवास, पौष्टिक भोजन, वस्त्र धुलाई सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे कार्य वातावरण बेहतर हुआ है। कंपनी के कर्मी मुकेश पाण्डेय और महेश पाण्डेय ने कलिंगा

की आंतरिक प्रक्रियाओं की सरलता, पारदर्शिता और वर्कर-फ्रेंडली माहौल की प्रशंसा करते हुए कहा कि यहां कर्मचारियों को सम्मान और सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा जाता है। वहीं कर्मी प्रवीण तिवारी ने बताया कि बीते कुछ महीनों में कुछ अंदरूनी व बाहरी तत्वों द्वारा कंपनी की छवि खराब करने का प्रयास किया गया, लेकिन कंपनी प्रबंधन ने त्वरित और सख्त कार्रवाई करते हुए सुरक्षा विभाग, मेस और भर्ती प्रक्रिया का ऑडिट कराया। तीनों परियोजनाओं में ऑडिट के बाद नियमों में आवश्यक सुधार और कड़े निर्देश लागू किए गए। कंपनी के सीएमडी ने स्वयं हस्तक्षेप करते हुए कोर कमेटी के माध्यम से कई महत्वपूर्ण सुधार लागू किए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कंपनी के विरुद्ध साजिश, धोखाधड़ी, चोरी अथवा नियम विरुद्ध कार्य करने वालों पर कठोर कार्रवाई जारी रहेगी। कलिंगा द्वारा खड़िया, झिंगुरदह और अमलोरी परियोजनाओं में लगभग 2500 मजदूरों को रोजगार प्रदान किया जा रहा है, जिससे क्षेत्र की बेरोजगारी कम करने में अहम योगदान मिल रहा है। कलिंगा कमर्शियल कारपोरेशन लिमिटेड आज न केवल उत्पादन बल्कि जिम्मेदार उद्योग की मिसाल बनती नजर आ रही है।